



NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779



Thu - 17 Sep - 2026

Year - 01

Issue - 175

Page - 01

Rs. - 5

www.azadvani.com

कानूनी विवादों में फंसे बच्चों को
हुनरमंद बना रही पंजाब सरकार



चंडीगढ़, 17 सितंबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत पंजीकृत ऑब्जर्वेशन और स्पेशल होम में रह रहे बच्चों को शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर के नेतृत्व में बच्चों के लिए कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि होशियारपुर के स्पेशल होम और ऑब्जर्वेशन होम के 48 बच्चों ने रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इनमें स्पेशल होम के 25 बच्चों ने हेयर ड्रेसर एंड स्टाइलिस्ट और ऑब्जर्वेशन होम के 23 बच्चों ने मल्टी स्किल टेक्नीशियन का प्रशिक्षण पूरा किया। सभी बच्चों का प्रशिक्षण, असेसमेंट और प्रमाणन प्रक्रिया 100 प्रतिशत पूरी हो चुकी है।

पंजाब के 80 फीसदी खेतों तक
पहुंचा नहरी पानी, 100 फीसदी
का लक्ष्य: भगवंत मान



श्री आनंदपुर साहिब, 17 सितंबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गांव जिंदवड़ी में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने नहरी सिंचाई का दायरा बढ़ाकर राज्य के करीब 80 फीसदी खेतों तक पहुंचा दिया है, जबकि पहले यह आंकड़ा 22 फीसदी था। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पंजाब के 100 फीसदी खेतों तक नहरी पानी पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि खेतों तक नहरी पानी पहुंचाने के लिए करीब 14,000 किलोमीटर का पाइपलाइन नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने मुफ्त बिजली, मैरिट के आधार पर नौकरियां, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया।

मान ने कहा कि राज्य के 90 फीसदी से अधिक परिवारों को मुफ्त बिजली मिल रही है और किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

सेक्टर 22-23 की V-4 रोड के विकास कार्य का शुभारंभ, क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत



चंडीगढ़: सेक्टर 22-23 में अरोमा होटल से सेक्टर 23 की लाइटों तक जाने वाली V-4 रोड के विकास कार्य का शुभारंभ वार्ड नंबर 17 के पार्श्व दमनप्रीत सिंह नागपाल द्वारा किया गया। लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को हो रही परेशानियों को देखते हुए विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शुरू करवाया गया है। इस अवसर पर पार्श्व की पत्नी श्रीमती मोनिका नागपाल भी मौजूद रहीं।

विकास कार्य के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के कई स्थानीय दुकानदार, समाजसेवी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इनमें अरोमा होटल के मालिक मनमोहन सिंह, बबलू, अनिल केमिस्ट के मालिक अजय, अजय जोशी, समाजसेवी पूजा घई, बिट्टू बैंगल के मालिक बिट्टू, अंशुल बजाज तथा शाम प्रोविजन स्टोर से विक्री सहित अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे।

इस दौरान पार्श्व दमनप्रीत सिंह नागपाल ने कहा कि सेक्टर 22-23 की यह V-4 रोड क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, दुकानदार तथा अन्य लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। सड़क के विकास और सुधार के बाद लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ-साथ दुकानदारों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 17 के सेक्टर 22 और 23 में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना और स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक सुविधाओं और अन्य बुनियादी जरूरतों से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

पार्श्व ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास केवल एक व्यक्ति या संस्था के प्रयास से संभव नहीं होता, बल्कि

इसमें स्थानीय निवासियों, दुकानदारों, आरडब्ल्यूए और संबंधित विभागों का सहयोग महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने विकास कार्य में सहयोग देने वाले क्षेत्रवासियों, दुकानदारों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

स्थानीय लोगों ने सड़क के विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जताई और उम्मीद व्यक्त की कि कार्य निर्धारित समय में पूरा होगा। उनका कहना है कि सड़क के बेहतर होने से रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की समग्र व्यवस्था में भी सुधार आएगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने क्षेत्र से जुड़े अन्य विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं को लेकर भी पार्श्व के साथ चर्चा की। पार्श्व ने लोगों को भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

पंजाब में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' की शुरुआत, गांवों में जनभागीदारी से मजबूत होगी स्वच्छता मुहिम

चंडीगढ़/एस.ए.एस. नगर, 17 सितंबर: पंजाब में ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान की शुरुआत हो गई है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस पखवाड़े के दौरान ग्रामीण समुदायों की सक्रिय भागीदारी के जरिए सफाई, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा। अभियान की शुरुआत एस.ए.एस. नगर स्थित जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के मुख्य कार्यालय में एसबीएम (जी) के मिशन डायरेक्टर डॉ. सैयद सहरिश अली असगर की मौजूदगी में हुई।

'स्वच्छ में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम के तहत चलाए जा रहे अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को केवल सरकारी जिम्मेदारी न बनाकर जनभागीदारी से जोड़ना है। ग्राम पंचायतों, ग्रामीण परिवारों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, चुने हुए प्रतिनिधियों और स्थानीय संस्थाओं को सफाई अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा।

अभियान के दौरान गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण, ठोस एवं प्लास्टिक कचरे का उचित भंडारण और प्रबंधन, कचरा कम करने,

पुनः उपयोग एवं रीसाइक्लिंग, सार्वजनिक स्थलों की सफाई तथा स्वच्छता सुविधाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्थानीय स्तर पर स्वच्छता संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान के लिए भी समुदायों को प्रेरित किया जाएगा।

मिशन डायरेक्टर डॉ. सैयद सहरिश अली असगर ने कहा कि स्वच्छता निरंतर चलने वाला सामुदायिक प्रयास है। उन्होंने अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वच्छता का संदेश प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक पहुंचाएं और लोगों को अपने व्यवहार में स्थायी बदलाव लाने के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम में पीएमआईडीसी के एसडब्ल्यूएम/एसबीएमयू विभाग की प्रोजेक्ट असिस्टेंट रितिका आहूजा ने तकनीकी जागरूकता सत्र आयोजित किया। वहीं आईपीसीए की जनरल मैनेजर डॉ. रीना चड्ढा ने प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन, चार-चरणीय पृथक्करण, संग्रहण और रीसाइक्लिंग की आवश्यकता पर जानकारी दी। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के गलत निपटारे से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान और गांवों, सार्वजनिक स्थानों तथा जल स्रोतों को स्वच्छ रखने में समुदाय की भूमिका पर जोर दिया।

अभियान के शुभारंभ के अवसर पर विभाग के मुख्य कार्यालय और आसपास सफाई अभियान भी चलाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में 'स्वच्छता शपथ' दिलाई गई, जिसमें साफ-सफाई बनाए रखने, कचरा फैलने से रोकने और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन अपनाने का संकल्प लिया गया।

अभियान के तहत कचरे वाले स्थानों का कायाकल्प, 'स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता', स्वच्छ सार्वजनिक स्थल, जनभागीदारी जागरूकता अभियान, सफाई मित्र सुरक्षा सेवा एवं सम्मान कैप और 'स्वच्छता से समृद्धि' जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।



पंजाब की मंडियों में बाहर के
राज्यों का धान रोकने के निर्देश,
सीमावर्ती जिलों को सतर्क रहने
को कहा



चंडीगढ़, 15 सितंबर: पंजाब में धान खरीद सीजन 2026-27 को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों (डीएफएससी) को पूरी तैयारी के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब से बाहर के राज्यों का धान किसी भी कीमत पर राज्य की मंडियों में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

मंत्री ने पिछले नौ खरीद सीजनों की सफलता के लिए डीएफएससी अधिकारियों की सराहना करते हुए आगामी सीजन में भी बेहतर समन्वय और निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को अधिक सतर्क रहने तथा धान की फर्जी एंटी रोकने के निर्देश दिए।

लाल चंद कटारूचक ने कहा कि धान खरीद प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए डीएफएससी मंडी बोर्ड के अधिकारियों के साथ लगातार तालमेल रखें। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर किसानों के हितों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। अधिकारियों को मंडियों में खरीद व्यवस्था, रिकॉर्ड और धान की आवक पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान भंडारण क्षमता का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य में अनाज के भंडारण के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने का मुद्दा लगातार केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जा रहा है। आगामी खरीद सीजन में भंडारण के लिए अतिरिक्त जगह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य से अनाज का प्राथमिकता के आधार पर उठान कराने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के महाप्रबंधक से संपर्क किया जाएगा।

अधिकारियों ने बैठक में बताया कि धान खरीद सीजन 2026-27 के लिए 180 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस वर्ष धान के अधीन क्षेत्रफल करीब 26.22 लाख हेक्टेयर है, जबकि धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है।

SquareNet
Innovation & Excellence

Advertisement

Zoho Mail

Google Workspace

Microsoft 365

Microsoft
Solutions Partner

Google Cloud
Partner

aws
partner
network

Are you looking for a reliable
EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from **SquareNet**

Secure
& Reliable

Professional
Email

Cloud
Integration

24/7 Expert
Support

Scalable for
Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com

mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015